तो आप समझ गए होंगे कि संगत का असर केवल हमारे विचारों पर तथा इस जीवन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हमें इस जीवन के बाद भी संगत के परिणाम भोगने पड़ते है।

लेकिन सही संगत सबसे बड़ी समस्या है। क्या आप जानते हैं कि रिमोट दबाने पर टीवी चैनल का चयन कैसे किया जाता है? आप टीवी चैनल द्वारा उत्सर्जित आवृत्ति से मेल खाने के लिए रिमोट द्वारा अपने एंटीना की आवृत्ति को बदलते हैं। जब दोनों की आवृत्ति एक हो जाती है तब उस चैनल से लहरें एंटीना द्वारा खींची जाती है और आपके टीवी स्क्रीन पर आती हैं, फिर आप वो चैनल देख सकते हैं। आवृत्तियों का मेल खाना आवाश्यक है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132

इसी प्रकार प्रत्येक दिमाग की अपनी सोच और अपनी सोच की आवृत्ति है। मेरा मतलब सोचने का तरीका है। यह सोच फिर मन की स्थिति का फैसला करती है। समान मन की स्थिति के लोगों के मन की आवृत्तिया समान होती है। समान आवृत्तियों में अनुनाद होता हैं। तब दोनों व्यक्ति दूसरे से जुड़ते है। वे एक दूसरे को पसंद करते है। फिर दोस्ती, प्यार आदि होता है।

तो, आपको सही संगत की सबसे बड़ी समस्या का जवाब मिला। आप अपने मन की स्थिति को उचित बनाएं। फिर आप आध्यात्मिक व्यक्तियों के साथ स्वचालित रूप से जुड़ेंगे।

मन की स्थिति कैसे ऊपर जाएँ? पहले इसे उचित सामान दें। मन को आत्मा, भगवान के बारे में कोई ठीक

जानकारी नहीं दी गई है। पहले सिद्धांत को समझें। और, मैं शर्त लगाता हूं कि हिंदू धर्म को छोड़कर पृथ्वी पर कोई धर्म नहीं है जो प्रकृति (ये संसार), आत्मा और भगवान के बारे में गहराई से समझाता है। हम क्या चाहते है? सुख क्या होता है? वो हमे कैसे मिलेगा? आत्मा और भगवान में क्या नाता है? इत्यादि ज्ञान मन को करवाना पड़ेगा।

उचित इनपुट के बाद, दिमाग इसे प्रदान की गई जानकारी के आधार पर सोचने की अपनी प्रक्रिया शुरू करेगा। तब बुद्धि भगवान के पक्ष में फैसला कर सकती है। भगवान की निरंतर सोच आपके दिमाग के स्तर को बढ़ाएगी। आप सही लोगों से जुडेंगे। इस प्रकार थियोरी का नॉलेज एवं प्रेक्टिकल में भगवान का स्मरण, इन दो बातों से ही समस्या हल होगी।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp 94232 09132